

सकिल सेल रोगियों को वकिलांगता प्रमाण पत्र

स्रोत: द हट्टि

5 वर्ष से अधिक आयु के [सकिल कोशिका रोग \(Sickle Cell Disease- SCD\)](#) से ग्रस्त रोगियों के लिये स्थायी वकिलांगता प्रमाणपत्र जारी करने की योजना लगभग तीन वर्षों से तीन केंद्रीय मंत्रालयों (स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, जनजातीय मामले) के बीच दुविधा में फँसी हुई है।

SCD के लिये स्थायी वकिलांगता प्रमाणपत्र जारी करने में विलंब के कारण:

- SCD को वकिलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत वकिलांगों की सूची में शामिल किये जाने के बाद वकिलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (Department of Empowerment of Persons with Disabilities-DEPwD) ने SCD रोगियों के लिये वकिलांगता प्रमाणपत्रों की वैधता को **1 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष** कर दिया, लेकिन फरि भी इस प्रमाणपत्र को प्राप्त करने के लिये **न्यूनतम 25% वकिलांगता** आवश्यक है।
- **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** इन प्रमाणपत्रों के लिये मानदंड और नियम निर्धारित करने का प्रभारी है।
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय प्रमाण पत्र जारी करता है, जबकि **जनजातीय मामलों का मंत्रालय SCD रोगियों के अधिकारों का समर्थन** करता है।
- "महिला सशक्तिकरण पर संसदीय स्थायी समिति ने कहा कि SCD एक 'जीवन पर्यंत रहने वाली बीमारी' है और **रक्त एवं अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण** ही इसका एकमात्र इलाज है, "जैसे बहुत कम लोग, विशेष रूप से आदवासी आबादी के बीच, अपना सकते हैं।"
- उन्होंने सरकार से SCD रोगियों के लिये स्थायी या दीर्घकालिक प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने का आग्रह किया।
- **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा अक्टूबर 2023 तक इस मुद्दे पर एक रिपोर्ट जारी करने की उम्मीद है।

सकिल सेल रोग (SCD):

- **परिचय:**
 - SCD वंशानुगत लाल रक्त कोशिका विकारों का एक समूह है। SCD में, **लाल रक्त कोशिकाएँ** कठोर और चपिचपी हो जाती हैं तथा C-आकार के कृष उपकरण की तरह दिखती हैं जिसे "सकिल" कहा जाता है।
- **लक्षण:**
 - सकिल सेल रोग के लक्षण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:
 - **क्रोनिक एनीमिया:** यह शरीर में थकान, कमजोरी और पीलेपन का कारण बनता है।
 - **तीव्र दर्द** (सकिल सेल संकट के रूप में भी जाना जाता है): यह हड्डियों, छाती, पीठ, हाथ एवं पैरों में अचानक और असहनीय दर्द उत्पन्न कर सकता है।
 - **यौवन व शारीरिक विकास में विलंब।**
- **उपचार:**
 - **रक्ताधान:** ये एनीमिया से छुटकारा पाने और **तीव्र दर्द संकट के जोखिम** को कम करने में मदद कर सकते हैं।
 - **हाइड्रॉक्सीयूरिया:** यह दवा दर्द की **नरिंतरता की आवृत्त को कम करने** और बीमारी की कुछ दीर्घकालिक जटिलताओं को रोकने में सहायता कर सकती है।
 - इसका इलाज **अस्थि मज्जा या स्टेम सेल प्रत्यारोपण** द्वारा भी किया जा सकता है।
- **SCD से निपटने हेतु सरकारी पहल:**
 - **राष्ट्रीय सकिल सेल एनीमिया उनमूलन मशिन का लक्ष्य वर्ष 2047 तक** भारत से सकिल सेल एनीमिया को समाप्त करना है।
 - सरकार ने वर्ष **2016 में सकिल सेल एनीमिया सहति हीमोग्लोबिनोपैथी की रोकथाम और नयित्रण** के लिये तकनीकी परिचालन दशा-नरिदेश जारी किये हैं।
 - उपचार और नदिान हेतु 22 आदवासी ज़िलों में एकीकृत केंद्र भी स्थापति किये गए हैं।
 - बीमारी की जाँच और प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने हेतु मध्य प्रदेश में **राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मशिन** की शुरुआत की गई है।
 - [एनीमिया मुक्त भारत रणनीति](#)।

??????????:

प्रश्न. एनीमिया मुक्त भारत रणनीतिके अंतर्गत की जा रही व्यवस्थाओं के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:(2023)

1. इसमें स्कूल जाने से पूरव के (परी-स्कूल) बच्चों, कशिरोँ और गर्भवती महिलाओं के लयि रोगनरिधक कैल्सयिम पूरकता प्रदान की जाती है ।
2. इसमें शशिु जनम के समय देरी से रज्जु बंद करने के लयि अभयिान चलाया जाता है ।
3. इसमें बच्चों और कशिरोँ की नरिधारति अवधयिों पर कृम-मुकृती की जाती है ।
4. इसमें मलेरयिा, हीमोग्लोबनोपैथी और फ्लोरोससि पर वशिष धयान देने के साथ स्थानकि बसृतयिों में एनीमयिा के गैर-पोषण कारणों की ओर धयान दलाना शामिल है ।

उपरयुक्त कथनों में से कतिने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- इसमें रोगनरिधी कैल्शयिम पूरकता नहीं बल्कि प्रोफलैकटकि आयरन और फोलकि एसडि पूरकता बच्चों, कशिरोँ एवं प्रजनन आयु की महिलाओं तथा गर्भवती महिलाओं को एनीमयिा के बावजूद प्रदान की जाती है । **अतः कथन 1 सही नहीं है ।**
- शशिु और छोटे बच्चों का उपयुक्त आहार (Appropriate Infant and Young Child Feeding- IYCF) 6 महीने तथा उससे अधिक उम्र के बच्चों हेतु परयाप्त एवं आयु-उपयुक्त पूरक खाद्य पदार्थ प्रदान करने पर धयान केंद्रति कयिा जाता है ।
- अपने आहार में वविधिता लाकर भोजन की मात्रा एवं आवृत्ता में वृद्धि करना, साथ ही खाद्य पदार्थों में आयरन युक्त, प्रोटीन युक्त तथा वटिमनि C युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाना ।
- सभी सवास्थय सुवधिओं में वलिंबति कॉर्ड क्लैम्पगि (रक्त के प्रवाह को रोकना) (कम से कम 3 मनिट या रज्जु स्पंदन बंद होने तक) को बढ़ावा देना, इसके बाद प्रसव के 1 घंटे के भीतर प्रारंभकि स्तनपान कराने पर ज़ोर देना । **अतः कथन 2 सही है ।**
- राष्ट्रीय कृमि मुकृती दिवस (National Deworming Day- NDD) के तहत प्रत्येक वर्ष 1-19 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों हेतु द्व-वार्षकि सामूहकि कृमि नरिधरण कार्यक्रम आयोजति कयिा जाता है । **अतः कथन 3 सही है ।**
- NDD योजना के हसिसे के रूप में एनीमयिा मुक्त भारत में गर्भवती महिलाओं और प्रजनन आयु की महिलाओं हेतु कृमिनाशक दवा भी शामिल है ।
- मलेरयिा, हीमोग्लोबनोपैथी और फ्लोरोससि पर वशिष धयान देने के साथ स्थानकि क्षेत्रों में एनीमयिा के गैर-पोषण संबंधी कारणों को उजागर करना । **अतः कथन 4 सही है ।**